

**ब्याह** पुं. (देश.) ऐसा अनुष्ठान जिससे स्त्री और पुरुष का पति-पत्नी संबंध स्थापित होता है, विवाह, शादी, पाणिग्रहण।

**ब्याहता** स्त्री. (देश.) विवाहिता, वह स्त्री जिसकी शादी हो गई हो, स्त्री जो विवाह करके लाई गई हो, बिना विवाह के साथ रहने वाली स्त्री रखैल कहलाती है।

**ब्यूरेट** पुं. (अं.) रसायन प्रयोगशाला का एक उपकरण, द्रव की सीमित मात्रा नापने वाली शीशे की नली, आयतन नापने के लिए नली पर अंश अंकित होते हैं। burette

**ब्यूरो** पुं. (अं.) विशेष कार्यालय जिसमें प्राथमिकताओं के कार्य संपन्न होते हैं, समाचार पत्रों के कार्यालयों में समाचार एकत्रित करने की इकाई, ऐसे कार्यालय का प्रभारी, ब्यूरो प्रमुख कहलाता है 2. केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो। bureau

**ब्यौत** स्त्री. (देश.) 1. कपड़े की युक्ति पूर्वक काँट-छाँट और सिलाई 2. आय-व्यय आदि को व्यवस्थित रखने की क्रिया या भाव 3. काम पूरा करने की युक्ति, उपाय अथवा व्यवस्था।

**ब्योरा** पुं. (देश.) 1. विषय का पूर्ण रूपेण विस्तार, विवरण, तफसील 2. अन्तर, फर्क, अंतरभेद।

**ब्योरेवार** वि. (देश.) विस्तार के साथ, जानने योग्य सभी बिंदुओं की व्याख्या, क्रमानुसार विवरण।

**ब्रज** पुं. (तद्.) 1. मथुरा-वृंदावन और उस के आस-पास का क्षेत्र 2. गोपो-ग्वालों की बस्ती, गोष्ठ, ब्रज।

**ब्रजभाषा** पुं. (तत्.) ब्रज प्रदेश में बोली जाने वाली मानक की एक बोली, मध्य युग में हिंदी का अधिकांश साहित्य ब्रजभाषा में ही लिखा गया है, ब्रज प्रदेश के अतिरिक्त इस भाषा का प्रयोग, उस समय, भारत के अन्य प्रदेशों में भी व्याप्त था, खड़ी बोली के आधार पर विकसित, मानक हिंदी के प्रचार-प्रसार ने ब्रजभाषा का प्रयोग ब्रज प्रदेश तक ही सीमित कर दिया।

**ब्रह्म** पुं. (तत्.) 1. सब से महान, परम और नित्य चेतन सत्ता, जो सर्वत्र व्याप्त है, आनन्द स्वरूप, ईश्वर, परमात्मा 2. एक की संख्या।

**ब्रह्मकन्यक** स्त्री. (तत्.) सरस्वती, ब्रह्मा की पुत्री, ब्रह्म कन्या।

**ब्रह्मकमल** पुं. (तत्.) हिमालय के तराई क्षेत्र में बर्फ पिघलने के पश्चात, यदा-कदा खिलने वाला अति सुगंधित कमल, ब्रह्मकमल कहलाता है माना जाता है कि ब्रह्मकमल का दर्शन सौभाग्य वर्धक होता है बद्रीनाथ और केदारनाथ के तीर्थ स्थलों पर इस कमल की संभावना रहती है, इस की पंखुड़ियाँ प्रसाद स्वरूप वितरित होती हैं, मानसरोवर की यात्रा में भी ब्रह्म कमल के दर्शन प्राप्त हो सकते हैं।

**ब्रह्मकल्प** पुं. (तत्.) ब्रह्मा का आधा दिन कल्पकाल कहलाता है ब्रह्मा के उद्भव से अवसान तक का समस्त महाकल्प अथवा महाप्रलय टि. एक कल्प में 14 मन्वंतर है, प्रत्येक मन्वंतर में 71 चतुर्युग (सत्, त्रेता, द्वापर और कलि) होते हैं, ऐसे 14 मन्वंतर से ब्रह्मा का एक दिन बनता है, इस प्रकार के सौ वर्षों का समय, ब्रह्मा का जीवन काल है और यही ब्रह्मकल्प कहलाता है।

**ब्रह्मगिरा** स्त्री. (तत्.) 1. ईश्वरीय शक्ति उत्पन्न वाणी, ब्रह्म वाणी ऐसी वाणी जो अकाट्य होती है, शब्द ब्रह्म 2. आकाशवाणी, अदृश्य स्रोत से अभिव्यक्त वाणी।

**ब्रह्मग्रंथि** स्त्री. (तत्.) यज्ञोपवीत अथवा जनेऊ की मुख्य गाँठ, ब्रह्म गाँठ।

**ब्रह्मघोष** पुं. (तत्.) 1. उस चेतन सत्ता का घोष, जो नित्य और सर्वव्यापी है 2. वेद ध्वनि 3. सिद्ध व्यक्ति के अन्तर मन की वाणी 4. पावन शब्द।

**ब्रह्मचर्य** पुं. (तत्.) वैदिक आश्रम व्यवस्था के अनुसार चार आश्रमों (1. ब्रह्मचर्य 2. गृहस्थ 3. वानप्रस्थ 4. संन्यास) में पहला आश्रम जो 25 वर्ष की आयु तक रहना चाहिए, इसमें वेद ज्ञान की प्राप्ति तथा ब्रह्म के साक्षात्कार की साधना की जाती है, इस आश्रम में विवाह अथवा संयोग-संभोग की संभावना नहीं रहती।

**ब्रह्मचारिणी** स्त्री. (तत्.) नवरात्र में नवदुर्गा पूजन की दूसरी देवी कुल 9 देवियाँ हैं 1. शैलपुत्री 2. ब्रह्मचारिणी 3. चंद्रघंटा 4. कूष्मांडा 5. स्कंद